भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 1956
गुरुवार, 11 दिसंबर, 2025/20 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

संशाधित उड़ान योजना

1956. श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल:
एडवोकेट अदूर प्रकाश:
श्री तनुज पुनिया:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या सरकार ने क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने और अधिक गंतव्यों को जोड़ने हेतु संशोधित उड़ान योजना का प्रस्ताव किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) उड़ान योजना के अंतर्गत विकसित/ पुनरुद्धार किए गए विमानपत्तनों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है तथा इसकी शुरुआत से अब तक इस पर कितनी लागत आई है;
(ग) उड़ान योजना के अन्तर्गत आवंटित और उपयोग किए गए बजट का ब्यौरा क्या है तथा इसकी शुरुआत से लेकर अब तक एयरलाइनों को परिचालन हेतु प्रदान की गई सब्सिडी का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या इनमें से कई विमानपत्तन वर्तमान में बंद हैं या कार्यशील नहीं हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-बार ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं; और
(ङ) उक्त योजना के अंतर्गत अब तक आवंटित मार्गों की कुल संख्या कितनी है तथा बिहार सहित वर्तमान में कितने मार्ग राज्य-वार प्रचालन में हैं?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): सरकार ने अगले 10 वर्षों में 4 करोड़ यात्रियों को सुविधा प्रदान करने हेतु देशभर के 120 नए गंतव्यों तक क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने के लिए संशोधित उड़ान योजना शुरू करने की घोषणा की है। वर्तमान में यह योजना अनुमोदन चरण में है।

(ख): उड़ान योजना के तहत विकसित/जीर्णोद्धार हवाईअड्डों का विवरण और इसकी शुरुआत से खर्च किए गए लागत का राज्य-वार ब्यौरा **अनुलग्नक-क** में है।

(ग): असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों/हेलीपोर्टों/वाटर एयरोड्रोमों के पुनरुद्धार और विकास के तहत योजना के पहले चरण में 4500 करोड़ रुपये और दूसरे चरण में 1000 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है। आरसीएस-उड़ान के तहत चिह्नित हवाईअड्डों के पुनरुद्धार/विकास के लिए दिनांक 31.10.2025 के अनुसार 4639 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

आरसीएस योजना के तहत एकत्रित की गई आरसीएस लेवी से एयरलाइन प्रचालकों को व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) प्रदान किया जाता है। चयनित एयरलाइन प्रचालकों को वितरित वीजीएफ का वर्ष-वार विवरण **अनुलग्नक- ख** में दिया गया है।

(घ): अब तक, उड़ान योजना के तहत चौदह हवाईअड्डे, तीन साल की रियायत अवधि पूरी होने, खराब दृश्यता की स्थिति, केवल वीएफआर हवाईअड्डों पर दिन के समय के रनवे प्रतिबंध,

विमान की कमी, लीजिंग मुद्दों, एयरलाइनों द्वारा अस्थायी रूप से प्रचालन बंद, मार्गों के नवीकरण और कम यात्री भार जैसे कारकों के कारण प्रचालन में नहीं है। गैर-प्रचालनात्मक हवाईअड्डों का राज्यवार ब्यौरा **अनुलग्नक-ग** में दिया गया है।

(ङ) : अवार्ड किए गए वैध आरसीएस मार्गों की कुल संख्या और बिहार सहित वर्तमान में प्रचालनरत मार्गों की राज्य-वार संख्या **अनुलग्नक-घ** में है।

अनुलग्नक- क

उड़ान योजना के तहत विकसित/जीर्णोद्धार हवाईअड्डों और उन पर किए गए व्यय का ब्यौरा (रुपये करोड़ में)

क्रम संख्या	**राज्य**	**हवाईअड्डा/ हेलीपोर्ट/ वाटर एयरोड्रम**	**31.10.2025 तक कुल व्यय**
1.	**आंध्र प्रदेश**	कडप्पा	99.36
2.		कुरनूल	0.03
3.	**अरुणाचल प्रदेश**	होलोंगी	-
4.		तेजु	89.65
5.		पासीघाट	0.07
6.	**असम**	जोरहाट	0.03
7.		लीलाबाड़ी	9.47
8.		रूपसी	88.79
9.		तेजपुर	0.19
10.	**बिहार**	दरभंगा	127.82
11.		पूर्णिया	40.00
12.	**छत्तीसगढ**	बिलासपुर	65.22
13.		जगदलपुर	60.16
14.		अंबिकापुर	80.14

क्रम संख्या	राज्य	हवाईअड्डा/ हेलीपोर्ट/ वाटर एयरोड्रम	31.10.2025 तक कुल व्यय
15.	दमन और दीव	दीव	28.98
16.	गुजरात	भावनगर	69.18
17.		जामनगर	24.16
18.		कांडला	28.12
19.		केशोद	32.71
20.		मुंद्रा	0.31
21.		पोरबंदर	36.51
22.		साबरमती रिवर फ्रंट (पश्चिम)	21.61
23.		स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (पश्चिम)	12.92
24.	हरियाणा	हिसार	29.21
25.	हिमाचल प्रदेश	कुल्लू	37.29
26.		शिमला	116.70
27.		मंडी (एच)	8.76
28.		रामपुर(एच)	4.84
29.	झारखंड	जमशेदपुर	-
30.		देवघर	5.19
31.	कर्नाटक	बेलगाम	20.88
32.		बीदर	12.29
33.		हुबली	37.69

क्रम संख्या	**राज्य**	**हवाईअड्डा/ हेलीपोर्ट/ वाटर एयरोड्रम**	**31.10.2025 तक कुल व्यय**
34.		कलबुरगि	28.64
35.		मैसूर	41.40
36.		शिवमोगा	-
37.		विद्यानगर	5.99
38.	**केरल**	कन्नूर	-
39.	**लक्षद्वीप**	अगाती	-
40.	**मध्य प्रदेश**	ग्वालियर	8.15
41.		रीवा	102.10
42.		दतिया	63.10
43.		गोंदिया	47.21
44.	**महाराष्ट्र**	जलगांव	28.55
45.		कोल्हापुर	333.29
46.		नांदेड़	0.20

क्रम संख्या	राज्य	हवाईअड्डा/ हेलीपोर्ट/ वाटर एयरोड्रम	31.10.2025 तक कुल व्यय
47.		ओज़र (नासिक)	11.19
48.		सिंधुदुर्ग	-
49.		अमरावती	148.53
50.	मणिपुर	जिरीबाम (एच)	12.28
51.		तामेंगलोंग (एच)	1.60
52.	मेघालय	शिलांग (बारापानी)	60.76
53.	नगालैंड	दीमापुर	4.89
54.		जयपोर	59.13
55.	ओडिशा	झारसुगुडा	183.67
56.		राउरकेला	58.96
57.		उत्केला	56.03
58.	पांडिचेरी (यूटी)	पांडिचेरी	31.98
59.		आदमपुर	125.60
60.	पंजाब	भटिंडा	3.04
61.		लुधियाना	12.80
62.		पठानकोट	5.18

क्रम संख्या	राज्य	हवाईअड्डा/ हेलीपोर्ट/ वाटर एयरोड्रम	31.10.2025 तक कुल व्यय
63.	राजस्थान	बीकानेर (नाल)	15.98
64.		जैसलमेर	10.34
65.		किशनगढ़	29.78
66.	सिक्किम	पाक्योंग	178.75
67.	तमिलनाडु	सलेम	24.44
68.	उत्तर प्रदेश	आगरा	7.68
69.		अलीगढ़	31.94
70.		आजमगढ़	29.57
71.		बरेली	104.14
72.		चित्रकूट	32.79
73.		हिंडन	46.60
74.		कानपुर (चकेरी)	134.79

क्रम संख्या	राज्य	हवाईअड्डा/ हेलीपोर्ट/ वाटर एयरोड्रम	31.10.2025 तक कुल व्यय
75.		कुशीनगर / कसिया	108.22
76.		प्रयागराज / इलाहाबाद	161.43
77.		श्रावस्ती	32.84
78.		मुरादाबाद	30.41
79.		पंतनगर	29.14
80.		पिथेरेगढ़	9.36
81.		अल्मोड़ा (एच)	5.38
82.		चंपावत (एच)	0.06
83.		चिन्याली सौर (एच)	2.75
84.		गौचर (एच)	8.20
85.	**उत्तराखंड**	हल्द्वानी (एच)	3.27
86.		मुनस्यारी , पिथेरेगढ़ (एच)	-
87.		नई टिहरी (एच)	3.95
88.		सहस्त्रधारा (एच)	21.61
89.		श्रीनगर(एच)	6.51
90.		नैनीताल (एच)	1.02
91.		बागेश्वर (एच)	0.06
92.		कूच बिहार	11.00
93.	**पश्चिम बंगाल**	दुर्गापुर (अंडाल)	3.11

क्रम संख्या	राज्य	हवाईअड्डा/ हेलीपोर्ट/ वाटर एयरोड्रम	31.10.2025 तक कुल व्यय

अनुलग्नक– ख

दिनांक 30.11.2025 तक अध्यतन एयरलाइनों को वितरित वीजीएफ (रुपये करोड़ में)

2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25	2025-26	कुल
42.35	138.08	681.28	325.60	625.94	798.34	807.02	628.42	349.51	4,396.54

अनुलग्नक – ग

आरसीएस के तहत विकसित 14 गैर–प्रचालनरत हवाईअड्डों का विवरण

क्रम सं.	राज्य	हवाईअड्डा	टिप्पणियां
1.	**छत्तीसगढ**	अंबिकापुर	फ्लाइबिग ने इन उड़ानों के प्रचालन के लिए आरसीएस के तहत अपने संविदात्मक अधिकारों और दायित्वों को सौंपा और नवीनीकृत किया। एयरलाइ द्वारा इन मार्गों पर परिचालन शुरू करने की संभावना है, जो विमान प्रचालक प्रमाण पत्र (एओसी) प्राप्त करने और इच्छित विमान प्राप्त करने के अध्यधीन है।
2.	**गुजरात**	भावनगर	वीजीएफ अवधि पूर्ण हो चुकी है। उड़ान के तहत पुनः बोली लगाने हेतु पात्र।
3.	**हिमाचल प्रदेश**	शिमला	विमान की कमी और ग्राउंडिंग के कारण। एलाइंस एअर, शिमला–अमृतसर–शिमला मार्ग पर उड़ान प्रचालन फिर से शुरू कर सकती है।
4.	**कर्नाटक**	कलबुरगि	वीजीएफ अवधि पूर्ण हो चुकी है। उड़ान के तहत पुनः बोली लगाने हेतु पात्र।
5.	**मध्य प्रदेश**	दतिया	फ्लाइबिग ने इन उड़ानों के प्रचालन के लिए आरसीएस के तहत अपने संविदात्मक अधिकारों और दायित्वों को सौंपा और उन्हें नवीनीकृत किया है। एयरलाइन द्वारा इन मार्गों पर परिचालन शुरू करने की संभावना है, जो विमान प्रचालक प्रमाण पत्र (एओसी) प्राप्त करने और इच्छित विमान प्राप्त करने के अध्यधीन है।
6.	**पंजाब**	लुधियाना	फ्लाइबिग ने इन उड़ानों के संचालन के लिए आरसीएस के तहत अपने संविदात्मक अधिकारों और दायित्वों को सौंपा और उन्हें नवीनीकृत किया। एयरलाइन द्वारा लुधियाना के बजाय हलवारा हवाईअड्डे से इन मार्गों पर परिचालन शुरू करने की संभावना है, बशर्ते कि एयर प्रचालक प्रमाण पत्र (एओसी) प्राप्त किया जाए और इच्छित विमान प्राप्त किया जाए।
7.		पठानकोट	उड़ान 5.4 के तहत, पठानकोट–दिल्ली–पठानकोट मार्ग के लिए 80 सीटर विमान के साथ न्यू एंट्रेंट एयरलाइन, जेटविंग्स को आशय पत्र जारी किया गया है।
8.	**सिक्किम**	पक्योंग	भूभाग और मौसम की चुनौतियों के कारण
9.	**उत्तर प्रदेश**	कुशीनगर	प्रचालक के पास प्रासंगिक प्रकार की विमान की कमी। आईएफआर उन्नयन की प्रमुख आवश्यकता।

10.		अलीगढ़	फ्लाइबिग ने इन उड़ानों के प्रचालन के लिए आरसीएस के तहत अपने संविदात्मक अधिकारों और दायित्वों को सौंपा और उन्हें नवीनीकृत किया। एयरलाइन द्वारा इन मार्गों पर परिचालन शुरू करने की संभावना है, जो विमान प्रचालक प्रमाण पत्र (एओसी) प्राप्त करने और इच्छित विमान प्राप्त करने के अधीन है।
11.		आजमगढ़	
12.		चित्रकूट	
13.		श्रावस्ती	
14.		मुरादाबाद	

#मार्गों को अभी प्रचालनरत किया जाना हैं।

अनुलग्नक-घ

क्रम संख्या	राज्य	अवार्ड किए गए मार्गों की संख्या	प्रचालनरत किए गए मार्गों की संख्या	वर्तमान में प्रचालनरत मार्गों की संख्या
1	अंडमान और निकोबर द्वीप समूह	6	0	0
2	आंध्र प्रदेश	19	18	9
3	अरुणाचल प्रदेश	16	10	5
4	असम	59	36	15
5	बिहार	12	10	6
6	चंडीगढ़	6	3	2
7	छत्तीसगढ़	14	13	4
8	दमन और दीव (यूटी)	11	5	4
9	दिल्ली (संघ राज्य क्षेत्र)	22	19	9
10	गोवा	11	7	4
11	गुजरात	57	44	18
12	हरियाणा	4	3	1
13	हिमाचल प्रदेश	47	23	4
14	जम्मू और कश्मीर	4	2	0
15	झारखंड	12	5	2
16	कर्नाटक	71	66	33
17	केरल	15	12	8
18	लद्दाख (संघ राज्य क्षेत्र)	0	0	0
19	लक्षद्वीप	18	1	1
20	मध्य प्रदेश	28	27	5
21	महाराष्ट्र	75	65	43
22	मणिपुर	24	13	9
23	मेघालय	11	9	3
24	मिजोरम	11	2	0
25	नागालैंड	17	4	2
26	ओडिशा	23	18	14
27	पुडुचेरी (यूटी)	1	1	1
28	पंजाब	21	17	5
29	राजस्थान	37	31	13
30	सिक्किम	6	3	0
31	तमिलनाडु	24	14	11
32	तेलंगाना	30	29	23
33	त्रिपुरा	7	3	1
34	उत्तर प्रदेश	96	57	11
35	उत्तराखंड	81	60	21
36	पश्चिम बंगाल	27	21	15

****